



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 297]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 1, 1981/भाद्र 10, 1903

No. 297]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPT. 1, 1981/BHADRA 10, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय  
(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1981

सा. का. नि. 503(अ).—खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का एक प्रारूप खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उप-धारा (1) की अपेक्षाानुसार भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 932, तारीख 13 सितम्बर, 1980 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2 खण्ड 3 उपखण्ड (1) के पृष्ठ 1963-64 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उस तारीख से जिस तारीख को उस राजपत्र प्रतियां, जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई थी, 60 दिन की अवधि के अद्वान के पूर्व उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी ;

और उक्त राजपत्र 13 सितम्बर, 1980 को जनता को उप-लब्ध करा दिया गया था ; और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप

की बाबत प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर विचार कर लिया है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श करने के पश्चात् खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

नियमः

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्राद्य अपमिश्रण निवारण (द्वितीय संशोधन) नियम, 1981 है ।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
- खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) नियम, 44 के खण्ड (अ) में “कच्चे और असंसाधित दूध/मखनिया दूध से तैयार किया गया” शब्दों के स्थान पर “उबले हुए, पास्चुरीकृत अथवा निजीवाणुकृत दूध से तैयार न किया गया” शब्द रखे जाएंगे ।

## 3. उक्त नियम के परिशिष्ट ख में :—

- (1) मद के 11.02.04, के द्वितीय पैरा में, “मलिनिया दूध-दही से भिन्न” शब्दों का लोप किया जाएगा।
- (2) मद क 11.02.07, क 11.02.07.01, क 11.02.10, क 11.02.11, क 11.02.12, क 11.02.13, क 11.02.16 और क 11.02.19 में “6 यूनिट तक बहुलकन की डिग्री सहित” शब्दों और अंकों का लोप किया जायेगा ;
- (3) मद क 11.02.14 में—
  - (क) “6 यूनिट तक बहुलकन की डिग्री सहित” शब्दों और अंक का लोप किया जाएगा ;
  - (ख) “ई कोली 90 प्रतिग्राम से अधिक नहीं होगी या,” “शब्दों और अंकों के स्थान पर “कोलीफॉर्म काउन्ट 90 प्रतिग्राम से अधिक नहीं होगा। ई कोली शून्य होगा” शब्द, अंक और अक्षर रखे जाएंगे ;
  - (ग) “तूर्ण के लिए कोलीफॉर्म काउन्ट 90 प्रतिग्राम से अधिक नहीं होगा” शब्दों और अंक का लोप किया जाएगा ।
- (4) मद क 11.02.15 में,—
  - (क) “6 यूनिट तक बहुलकन की डिग्री के साथ” शब्दों और अंक का लोप किया जाएगा ।
  - (ख) “ई कोली 90 प्रतिग्राम से अधिक नहीं होगी,” शब्दों और अंकों के स्थान पर “कोलीफॉर्म काउन्ट 90 प्रतिग्राम से अधिक नहीं होगा । ई कोली शून्य होगी” शब्द, अंक और अक्षर रखे जाएंगे ।

[सं. पी. 15013/6/78-पीएच (एफ एण्ड एन) (पी एफ ए)]

सी. वी. एस. मणि, अपर सचिव

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

## NOTIFICATION

New Delhi, the 1st September, 1981

**G.S.R. 503(E).**—Whereas certain draft rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, were published as required by sub-section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), with the notification of Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. G.S.R. 932, dated the 13th September, 1980 at pages 1963-64 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), inviting objections and suggestions from all

the persons likely to be affected thereby before the expiry of 60 days from the date on which copies of the Gazette of India in which the said notification was published, were made available to the public.

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 13th September, 1980 ; and whereas the objections and suggestions received from the public on the draft rules have been considered by the Central Government ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 23 of the said Act, the Central Government after consultation with Central Committee for Food Standards hereby makes the following rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, namely :—

## RULES

1. (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Second Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 44, in clause (j) for the words “prepared from raw and untreated milk/skimmed milk”, the words “not prepared from boiled, pasteurised or sterilised milks” shall be substituted.

3. In Appendix B to the said rules :—

(i) in item A. 11.02.04 in the second paragraph, the words “other than skimmed milk dahi” shall be omitted.

(ii) in items A. 11.02.07, A. 11.02.07.01 A. 11.02.10, A. 11.02.11, A. 11.02.12, A. 11.02.13, A. 11.02.16 and A.11.02.19, the words and figures “with a degree of polymerisation upto 6 units” shall be omitted ;

(iii) in item A. 11.02.14—

(a) the words and figures “with a degree of polymerisation upto 6 units” shall be omitted ;

(b) for the words and figures “E. Coli shall not exceed 90 per gram or”, the words, figures and the letter “Coliform Count shall not exceed 90 per gram. E. Coli shall be absent”, The shall be substituted ;

(c) the words and figures “Coliform Count for the powder shall not be more than 90 gram” shall be omitted.

(iv) in item A. 11.02.15—

(a) the words and figures “with a degree of polymerisation upto 6 units” shall be omitted.

(b) for the words and figures “E. Coli shall not exceed 90 per gram” the words, figures and letter “Coliform Count shall not exceed 90 per gram. E. Coli shall be absent”, shall be substituted.

[No. P-15013/6/78-PH(F&amp;N)(PFA)]

C. V. S. MANI, Addl. Secy.